विश्व हिंदी समाचार

(विश्व हिंदी सचिवालय, मॉरीशस का त्रैमासिक प्रकाशन)

www.vishwahindi.com

वर्ष: 9 | अंक: 36 | दिसंबर, 2016

विश्व हिंदी सचिवालय, मॉरीशस के निर्माण-स्थल पर भूमि-पूजन

8 अक्टूबर, 2016 को भारतीय उच्चायोग, मॉरीशस द्वारा विश्व हिंदी सचिवालय के भवन निर्माण-स्थल, फ़ेनिक्स पर भूमि-पूजन का आयोजन किया गया। सचिवालय के नए भवन का निर्माण कार्य आरंभ हो चुका है। वर्ष 2018 तक सचिवालय का नया भवन समस्त सुविधाओं के साथ बनकर तैयार हो जाएगा।

पृ. 2

मॉरीशस में टूरिज़्म प्रोग्राम के अंतर्गत हिंदी

मॉरीशस चैम्बर ऑव कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्री (एम.सी.सी.आई.) ने आन्जर्स विश्वविद्यालय, फ्रांस के सहयोग से डिप्लोमा इन टूरिज़्म प्रोग्राम के तहत हिंदी भाषा का मोड्यूल प्रस्तावित किया है। हिंदी मोड्यूल को क्रियान्वित करने हेतु एम.सी.सी.आई. ने महात्मा गांधी संस्थान, मॉरीशस के साथ एक 'मेमोरेण्डम ऑव अंडस्टेंडिंग' पर हस्ताक्षर किए।

पृ. 10

चीन में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 2016

24 से 26 अक्टूबर, 2016 को शिंजन विश्वविद्यालय, चीन में हिंदी विभाग, मणिबेन नानावटी महिला महाविद्यालय, मुंबई द्वारा एशियाई भाषा और साहित्य विभाग, ग्वांडोंग वैदेशिक अध्ययन विश्वविद्यालय, ग्वांगजू एवं शिंजन विश्वविद्यालय के प्रथम अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, 2016 का आयोजन किया गया जिसका विषय 'शिक्षा एवं शोध की नई दिशाएँ' था।

पृ. 3

श्रद्धांजलि

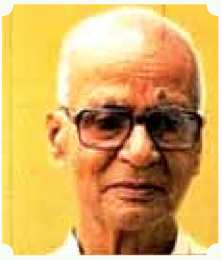
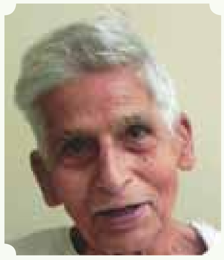
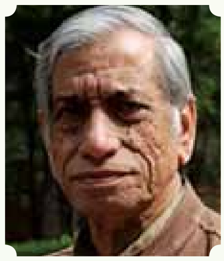

22 नवंबर, 2016 को हिंदी और भोजपुरी के प्रसिद्ध लेखक डॉ. विवेकी राय का 93 वर्ष की आयु में निधन हो गया।
31 अक्टूबर, 2016 को हिंदी के प्रख्यात लेखक श्री हृदयेश नारायण मेहरोत्रा का 86 वर्ष की आयु में देहान्त हो गया।
19 दिसंबर, 2016 को लेखक व गांधीवादी पर्यावरणविद् श्री अनुपम मिश्र का 68 वर्ष की आयु में देहावसान हो गया।
विश्व हिंदी सचिवालय तथा समस्त हिंदी जगत की ओर से दिवंगत विद्वानों को भावभीनी श्रद्धांजलि।

पृ. 10

अंतरराष्ट्रीय हिंदी वाचन प्रतियोगिता 2016

विश्व हिंदी सचिवालय, मॉरीशस द्वारा विश्व हिंदी दिवस 2017 के उपलक्ष्य में एक अंतरराष्ट्रीय हिंदी वाचन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। अधिक से अधिक अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागिता तथा तकनीकी दुनिया में हिंदी के अधिक प्रयोग के उद्देश्य से प्रतियोगिता के लिए प्रविष्टियाँ वीडियो रिकॉर्डिंग के माध्यम से मँगाई गईं। प्रतियोगिता के परिणाम इस अंक में प्रस्तुत हैं।

पृ. 12

आगे देखें:

- कूपर्टीनो, कैलिफ़ोर्निया में हिंदी दिवस — पृ. 4
- शिलांग में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी — पृ. 4
- रॉड्रिग्स हिंदी स्पीकिंग यूनियन द्वारा हिंदी दिवस 2016 — पृ. 5
- 'भीष्म साहनी का रचना संसार' विषयक दो दिवसीय संगोष्ठी — पृ. 5
- मॉरीशस में त्रिभाषी पत्रिका 'इन्द्रधनुष' का लोकार्पण — पृ. 7
- कनाडा में हिंदी साहित्य सेवा सम्मान समारोह — पृ. 9

ISSN 1694-2485

विश्व हिंदी सचिवालय, मॉरीशस के निर्माण-स्थल पर भूमि-पूजन

8 अक्टूबर, 2016 को भारतीय उच्चायोग, मॉरीशस द्वारा विश्व हिंदी सचिवालय के भवन निर्माण-स्थल, फ़ेनिक्स पर भूमि-पूजन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मॉरीशस गणराज्य के प्रधान मंत्री, माननीय श्री अनिरुद्ध जगन्नाथ, जी.सी.एस.के, के.सी.एम.जी, क्यू.सी., एम.पी., पी.सी. उपस्थित थे।

साथ ही श्रीमती सरोजिनी जगन्नाथ, माननीया श्रीमती लीला देवी दुकन-लछुमन, शिक्षा व मानव संसाधन, तृतीयक शिक्षा एवं वैज्ञानिक अनुसंधान मंत्री, महामहिम श्री अभय ठाकुर, भारतीय उच्चायुक्त, मॉरीशस व श्रीमती सुरभि ठाकुर, श्री रामप्रकाश रामलगन, वरिष्ठ मुख्य कार्यकारी अधिकारी व अन्य गण्यमान्य अतिथि विशेष रूप से उपस्थित थे। भूमि-पूजन प्रधान मंत्री, माननीय श्री अनिरुद्ध जगन्नाथ तथा भारतीय उच्चायुक्त, महामहिम श्री अभय ठाकुर के कर-कमलों द्वारा संपन्न हुआ।

भारतीय उच्चायोग, मॉरीशस द्वारा हिंदी दिवस समारोह 2016

8 अक्टूबर, 2016 को ही विश्व हिंदी सचिवालय के भूमि-पूजन के पश्चात भारतीय उच्चायोग, मॉरीशस द्वारा इंदिरा गांधी भारतीय सांस्कृतिक केंद्र, फ़ेनिक्स में हिंदी दिवस समारोह का भव्य आयोजन किया गया। समारोह का शुभारंभ गोवा की राज्यपाल, महामहिम श्रीमती मृदुला सिंहा द्वारा रचित व इंदिरा गांधी भारतीय सांस्कृतिक केंद्र द्वारा प्रस्तुत 'हिंदी गान' से हुआ। माननीय प्रधान मंत्री ने हिंदी दिवस की बधाई देते हुए कहा कि ***"हिंदी केवल विचार प्रकट करने का माध्यम ही नहीं बल्कि हमारे पूर्वजों की विरासत है। इसे संरक्षित करना और आनेवाली पीढ़ी तक पहुँचाना हम सब का उत्तरदायित्व है।"***

शिक्षा मंत्री, माननीया श्रीमती लीला देवी दुकन-लछुमन ने हिंदी के विश्वव्यापी महत्व और इसमें विश्व हिंदी सचिवालय के योगदान की चर्चा की।

महामहिम श्री अभय ठाकुर ने हिंदी के प्रचार-प्रसार में मॉरीशस के योगदान का उल्लेख किया तथा अगले विश्व हिंदी सम्मेलन तक भवन निर्माण कार्य के संपन्न होने की आशा व्यक्त की। उन्होंने बेंगलुरु में होनेवाले प्रवासी भारतीय दिवस की जानकारी साझा करते हुए भारत के सामाजिक तथा विकासात्मक योगदान में प्रवासियों की उल्लेखनीय भूमिका की प्रशंसा की और अधिकाधिक संख्या में भाग लेकर सम्मेलन को सफल बनाने का आह्वान भी किया।

साथ-साथ विश्व हिंदी सचिवालय के महासचिव, प्रो. विनोद कुमार मिश्र ने हिंदी की वैश्विक स्थिति पर अपने विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम में हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित निबंध व चित्रकला प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया तथा मॉरीशसीय साहित्यकार, श्री राज हीरामन की पुस्तक 'मॉरीशस-हिंदी का और एक देश' व भारतीय उच्चायोग की द्वितीय सचिव, डॉ. श्रीमती नूतन पाण्डेय कृत 'मॉरीशसीय हिंदी नाट्य साहित्य और सोमदत्त बखोरी' का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर आर्य सभा के प्रधान, डॉ. उदय नारायण गंगू तथा हिंदी प्रचारिणी सभा के प्रधान, श्री यन्तुदेव बुधु ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

अवसर पर महात्मा गांधी संस्थान, भारतीय उच्चायोग व विश्व हिंदी सचिवालय के प्रतिनिधि, मॉरीशस के विभिन्न हिंदी शैक्षणिक, प्रचारक व सामाजिक-सांस्कृतिक संस्थाओं के पदाधिकारी व सदस्य तथा कई हिंदी प्रेमी उपस्थित थे। मंच संचालन व धन्यवाद ज्ञापन डॉ. श्रीमती नूतन पाण्डेय तथा श्री गंगाधरसिंह सुखलाल ने किया।

विश्व हिंदी सचिवालय की रिपोर्ट

चीन में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 2016

24 से 26 अक्टूबर, 2016 को शिंजन विश्वविद्यालय, चीन में हिंदी विभाग, मणिबेन नानावटी महिला महाविद्यालय, मुंबई द्वारा एशियाई भाषा और साहित्य विभाग, ग्वांडोंग वैदेशिक अध्ययन विश्वविद्यालय, ग्वांगजू एवं शिंजन विश्वविद्यालय के प्रथम अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, 2016 का आयोजन किया गया जिसका विषय 'शिक्षा एवं शोध की नई दिशाएँ' था। सम्मेलन की मुख्य अतिथि एस.एन.डी.टी. महिला विश्वविद्यालय की कुलपति, प्रो. शशिकला वंजारी थीं। समारोह का उद्‌घाटन तथा हिंदी पत्रिका 'इंदु-संचेतना' का विमोचन ग्वांडोंग विश्वविद्यालय में भारत के कौंसुल जनरल, श्री वाए. के. सैलास थंगल ने किया। इसमें विभिन्न सत्रों में शिक्षा और शोध की नई दिशाओं से संबंधित 20 से अधिक गंभीर शोध पत्र प्रस्तुत किए गए जो मनोविज्ञान, समाजशास्त्र, स्त्री-अध्ययन, अर्थशास्त्र, राजनीति विज्ञान, हिंदी साहित्य, गुजराती साहित्य, अंग्रेज़ी साहित्य, उर्दू साहित्य, प्रबंधन, भाषाविज्ञान, चीनी साहित्य आदि पर केंद्रित थे।

प्रो. शशिकला वंजारी ने विषय की प्रासंगिकता को रेखांकित करते हुए शिक्षा एवं शोध के क्षेत्र में नए-नए विषयों को पढ़ने तथा दोनों देशों को शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग और आपसी संबंधों की नई दिशाओं को तलाशने का आह्वान किया। साथ-साथ श्री थंगल ने कहा कि इस सम्मेलन से दोनों देशों के बीच शिक्षा और शोध के नए द्वार खुलेंगे, हमें अपने मूल्यों के अनुसार अपनी दिशाएँ तय करनी होंगी। सम्मेलन की भारतीय निदेशिका और मणिबेन नानावटी महिला महाविद्यालय की प्राचार्या, डॉ. हर्षदा राठोर ने शिक्षा के अंतरराष्ट्रीयकरण पर ज़ोर दिया।

इस सम्मेलन में जयपुर, भारत से प्रो. सुधीर सोनी, मुंबई से प्रो. शशिकला वंजारी, डॉ. हर्षदा राठोर, डॉ. सिसीलिया चेट्टियार, डॉ. सेजल शाह, श्रीमती ट्विंकल सिंघवी, श्रीमती संवेदना रावत अमिताभ, डॉ. वत्सला शुक्ल, डॉ. रवींद्र कात्यायन, दिल्ली से श्रीमती रेनु बिडालिया, कुल्लू से डॉ. सूरत ठाकुर, बंगलुरु से सुश्री प्रेरणा बिडालिया तथा चीन से प्रो. हू रुई, श्रीमती तिअन केपिंग, प्रो. आबिद सियाल, प्रो. वु वुडांग, प्रो. ल्यू यूयुआन, भारत के सांस्कृतिक कौंसुल, श्री मनोज कुमार, प्रो. गंगाप्रसाद शर्मा 'गुणशेखर', श्री पेट्रिक, प्रो. यू लॉन्यू, विलियम यून, डॉ. शू युआन की फ़ेंग के साथ-साथ अनेक छात्र-छात्राओं की उपस्थिति रही।

समापन सत्र के दौरान शिंजन विश्वविद्यालय के भारतीय दल का नेतृत्व प्रो. शशिकला वंजारी तथा डॉ. हर्षदा राठोर ने किया और धन्यवाद ज्ञापन भारतीय आयोजक और मणिबेन नानावटी महिला महाविद्यालय के हिंदी विभाग के अध्यक्ष, श्री रवींद्र कात्यायन ने किया।

साभार : हिंदीमीडिया.इन

वाराणसी में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

20-21 अक्टूबर, 2016 को राधाकृष्णन सभागार, कला संकाय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी में 'साखी' और भोजपुरी अध्ययन केन्द्र तथा काशी हिंदू विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से ***'हिंदी की साहित्यिक पत्रकारिता, हंस और राजेन्द्र यादव'*** विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

प्रथम सत्र की अध्यक्षता प्रो. काशीनाथ सिंह ने तथा संगोष्ठी की रूपरेखा रामबचन यादव ने प्रस्तुत की। संगोष्ठी का उद्‌घाटन कथाकार, मैत्रेयी पुष्पा ने किया तथा जय प्रकाश कर्दम मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने श्री राजेन्द्र यादव की रचनाओं को मानवीय मूल्यों व स्त्री के अधिकारों पर केन्द्रित बताया। स्वागत भाषण में भोजपुरी अध्ययन केन्द्र के समन्वयक, प्रो. सदानन्द शाही ने कहा कि श्री राजेन्द्र यादव ने हिंदी साहित्य का लोकतांत्रीकरण कर हाशिए पर खड़े सभी लेखकों को मौका दिया। सत्र का संचालन डॉ. उर्वशी गहलौत ने किया।

द्वितीय सत्र की अध्यक्षता प्रो. चौथी राम यादव ने किया तथा मुख्य वक्ता श्री वीरेन्द्र यादव रहे। उन्होंने साहित्य के लोकतंत्र को रेखांकित करते हुए श्री राजेन्द्र यादव के लेखन पर प्रकाश डाला। साथ-साथ डॉ. शशिकला त्रिपाठी ने श्री राजेन्द्र यादव को हिंदी साहित्य एवं पत्रकारिता को विश्वस्तरीय पहचान दिलाने पर उनकी चर्चा की। इस सत्र का संचालन शिवेन्द्र मौर्य एवं धन्यवाद ज्ञापन विश्वमौलि ने किया। संगोष्ठी में प्राध्यापक, विद्वान एवं प्रतिभागी छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

साभार : नेशनल दस्तक. कॉम

अहमदाबाद इंटरनेशनल लिट्रेचर फ़ेस्टिवल

12-13 नवंबर, 2016 को अहमदाबाद मैनेजमेंट एसोसिएशन के सभागार में दो दिवसीय अहमदाबाद इंटरनेशनल लिट्रेचर फ़ेस्टिवल का आयोजन किया गया। इस फ़ेस्टिवल का मुख्य उद्देश्य साहित्य, सिनेमा और मीडिया के अंतर्भेदी रिश्तों की पड़ताल करना तथा साहित्य को जन-जन तक पहुँचाना रहा।

प्रथम व दूसरे दिन 'कैप्टीवेटिंग स्टोरीलाइंस', 'मीडिया-ड्रिवन स्टोरीज़', 'लुकिंग फ़ॉर लिट्रेचर', 'पोएट्री फ़ॉर एवरीवन', 'रिविज़िटिंग मिथॉलजि एंड इट्स रेलवन्स टुडे', 'पोएट्री रेसिटेशन', 'वर्ल्ड लिट्रेचर', 'शॉर्ट स्टोरीज़', 'गुजराती लिट्रेचर', 'लिट्रेचर एंड सिनेमा', 'द पावर ऑव वर्ड्स', 'शीन इन देअर टीन', 'लिटरेरी एजेंट्स: हू ऑल नीड देम?', 'ऑन्ट्रप्रनरशिप एंड क्रिएटिविटी', 'प्रतिलिपि डॉट कॉम : ऑनलाइन इज़ ओन लाइन', 'सोशल ऑन्ट्रप्रनरशिप' तथा 'रोमैंस इन बुक्स' परिसंवाद के विषय रहे।

इसके अतिरिक्त कार्यशालाओं की व्यवस्था की गई जिसमें प्रतिभागियों के व्यक्तित्व के विकास साहित्यिक अभिरुचि और सृजन की क्षमता का विकास भी हुआ। आभार ज्ञापन फ़ेस्टिवल निदेशक श्री उमाशंकर यादव ने किया।

डॉ. अवनीश सिंह चौहान की रिपोर्ट

महाकवि सुब्रह्मण्यम् भारती के जन्मदिन के उपलक्ष्य में सम्मेलन का आयोजन

14 दिसंबर, 2016 को वर्ल्ड यूनिवर्सिटी सर्विस सेंटर, चेन्नई में मुंबई के 'हिंदी कल्याण न्यास', 'वैश्विक हिंदी सम्मेलन' और चेन्नई की 'तमिलनाडु हिंदी साहित्य अकादमी', हैदराबाद की 'विश्व वात्सल्य मंच', 'राजस्थानी एसोसिएशन' और 'विश्व जैन सभा' आदि विभिन्न भारतीय भाषा प्रेमी संस्थाओं द्वारा महाकवि सुब्रह्मण्यम् भारती के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में एक सम्मेलन का आयोजन किया गया। यह सम्मेलन तमिल को तमिलनाडु की राज्य भाषा और हिंदी को भारत की राष्ट्रभाषा बनाए जाने और भारतीय भाषाओं के प्रचार-प्रसार हेतु आयोजित की गई। 'हिंदी कल्याण न्यास' के राष्ट्रीय अध्यक्ष, विजय कुमार जैन, वैश्विक हिंदी सम्मेलन, मुंबई के निदेशक, डॉ. एम. एल. गुप्ता 'आदित्य', समाजसेवी कृष्णचंद चोरडिया, डॉ. मधु धवन, संस्थापक अध्यक्ष, 'विश्व वात्सल्य मंच' से संपत देवी मुरारका, सज्जनराज मेहता, पार्थ सारथी, पी.डी. मिश्र, धन्य कुमार बिराजदार तथा कांतिलाल शाह आदि वक्ताओं ने भी तमिलनाडु में हिंदी को प्रमुखता देते हुए हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाना राष्ट्रीयता के लिए आवश्यक बताया। वक्ताओं ने तमिलनाडु में तमिल के प्रयोग के साथ-साथ हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने की माँग की और इन्हें रोज़गार से जोड़ने पर ज़ोर दिया। इस अवसर पर मदन देवी शेकरणा, राजेश मुरारका, रविता भाटिया, मंजू रुस्तगी, पार्वती आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन मधु धवन ने किया।

साभार : इ-पेपर स्वतंत्रवार्ता.कॉम

शिलांग में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

18-19 नवंबर, 2016 को पूर्वोत्तर पर्वतीय विश्वविद्यालय, शिलांग का हिंदी विभाग और महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के संयुक्त तत्वावधान में 'पूर्वोत्तर भारत की भाषा, साहित्य एवं संस्कृति का बदलता स्वरूप' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। सत्र की अध्यक्षता प्रो. हेनरी लामिन ने की। प्रथम सत्र में संगोष्ठी को संबोधित करते हुए महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति, हिंदी के सुपरिचित कवि एवं लेखक, प्रो. आनंद वर्धन शर्मा ने कहा कि अनुवाद भाषाओं के बीच सेतु बंधन का काम करता है और पूर्वोत्तर की भाषाओं के विकास का काम करता है। साथ-साथ हिंदी के जाने-माने कथाकार, प्रो. असगर वजाहत ने कहा कि पूर्वोत्तर की भाषाओं के साथ हिंदी को साहित्यिक संबंध जोड़ना चाहिए तथा 'पूर्वोत्तर भारत की भाषा, साहित्य एवं संस्कृति का बदलता स्वरूप' विषय पर पूर्वोत्तर साहित्य को समृद्ध बताया।

दूसरे सत्र में पूर्वोत्तर के भाषा वैविध्य पर मणिपुर विवि की प्रो. सुबदनी देवी, राजीव गांधी विवि, ईटानगर के डॉ. ओकेन लेगो, त्रिपुरा विवि की डॉ. मिलन रानी जमातिया तथा नेहू के प्रो. शैलेंद्र कुमार सिंह ने आलेख प्रस्तुत किए। इसके अतिरिक्त पूर्वोत्तर की भाषा संस्कृति पर डॉ. स्वर्ण प्रभा चेनारी, डॉ. डेकिंनी, डॉ. सोनम वाड़्मू, डॉ. बिक्रम थापा, डॉ. फ़िल्मिका मारबानियांग, विकिहो वित्सु, यांगी तागू और जया गोगोई ने आलेख पढ़े।

संगोष्ठी का संचालन डॉ. भरत प्रसाद त्रिपाठी ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. हितेंद्र कुमार मिश्र ने किया।

श्री बी. एस. मिरगे की रिपोर्ट

कूपर्टीनो, कैलिफ़ोर्निया में हिंदी दिवस

6 अक्टूबर, 2016 को डी. एंजा कॉलेज कूपर्टीनो, कैलिफ़ोर्निया में भारत के प्रधान कौंसलावास सैन फ्रांसिस्को के तत्वावधान में हिंदी प्रोफ़ेसर, श्रीमती नीलू गुप्ता ने हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में एक कार्यक्रम का आयोजन किया। कौंसलावास से राजदूत श्री वेंकटेसन अशोक, श्री प्रदीप यादव तथा श्री के. वेंकट रमना मुख्य रूप से उपस्थित थे। अवसर पर श्रीमती शकुंतला बहादुर ने श्लोक पाठ किया तथा श्रीमती अलका भटनागर ने वंदना प्रस्तुत की।

श्रीमती नीलू गुप्ता ने अपने स्वागत वक्तव्य में हिंदी हमारी अपनी बोली, हमारी अपनी भाषा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए मिलकर एक दूसरे के सहयोग से हिंदी के प्रचार-प्रसार पर बल दिया। कौंसल जनरल ने अपने वक्तव्य में 'भारत की भाषा हिंदी हो' पर ज़ोर दिया।

समारोह में सुर संगम के छात्रों द्वारा गीत तथा देसी स्टुडेंट्स एसोसिएशन, एन.के.डी. (NKD) आर्ट्स एवं सैवी द्वारा नृत्य प्रस्तुति हुई। अर्चना पंडा एवं भारत से आए डॉ. कमलेश द्विवेदी ने कविता पाठ किया। डी. एंजा कॉलेज के हिंदी विद्यार्थियों ने हिंदी के कार्यक्रम प्रस्तुत किए। उर्वी शर्मा एवं उनके साथियों ने अपने प्रोजेक्ट वी-क्रिएट के विषय में जानकारी दी। श्री विश्वमोहन तिवारी ने हिंदी के महत्व पर अपने विचार प्रस्तुत किए। मंजु मिश्रा द्वारा सवाल-जवाब कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। लखनऊ से आई प्रख्यात गायिका निधि निगम ने सुन्दर गीत भी प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम का संचालन मंजु मिश्रा ने किया तथा आभार ज्ञापन श्री प्रदीप यादव ने किया।

श्रीमती नीलू गुप्ता की रिपोर्ट

'भीष्म साहनी का रचना संसार' विषयक दो दिवसीय संगोष्ठी

4-5 अक्टूबर, 2016 को महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा एवं महादेवी वर्मा सृजन पीठ कुमाऊँ विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में हिंदी दिवस के अवसर पर 'भीष्म साहनी का रचना संसार' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का उद्घाटन मुख्य वक्ता, डॉ. हेतु भारद्वाज ने किया तथा अध्यक्षता कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल की हिंदी विभागाध्यक्षा, प्रो. नीरजा टंडन ने किया। प्रथम सत्र 'भीष्म साहनी उपन्यास साहित्य : सृजन और संदर्भ' विषय पर केन्द्रित था जिसके अंतर्गत 'भीष्म साहनी के उपन्यासों में स्त्री संदर्भ' विषय पर भीष्म साहनी के उपन्यास 'बसंती' के माध्यम से मज़दूर वर्ग की महिलाओं की पीड़ा और उनके जीवन के यथार्थ, भीष्म साहनी के उपन्यास 'मय्यादास की माड़ी' के स्त्री पात्रों के माध्यम से आधुनिक स्त्री विमर्श, 'तमस' उपन्यास के बहाने सांप्रदायिकता के स्वरूप तथा भीष्म साहनी के उपन्यासों की विशेषताओं पर चर्चा हुई। इस सत्र का संचालन दिवा भट्ट ने किया।

द्वितीय सत्र 'भीष्म साहनी का कहानी साहित्य : सृजन और संदर्भ' विषय पर आधारित रहा जिसमें समसामयिक संदर्भों तथा विभाजन एवं सांप्रदायिकता के आलोक में भीष्म साहनी की प्रतिनिधि कहानियों पर गंभीर चर्चा हुई। 'यथार्थवादी कथाशिल्पी भीष्म साहनी', 'भीष्म साहनी की कहानियाँ', 'बदलते सामाजिक आर्थिक परिवेश एवं चीफ़ की दावत' के अलावा डॉ. संतोष कुमार द्वारा 'युगबोध एवं युगीनबोध के शिल्पकार भीष्म साहनी' के बहाने भीष्म साहनी की कहानियों की प्रासंगिकता पर कई वक्ताओं की भावाभिव्यक्ति हुई। विश्वविद्यालय के प्रदर्शनकारी कला विभाग के विद्यार्थियों ने भीष्म साहनी के नाटक 'हानूष' का मंचन किया। तृतीय सत्र 'भीष्म साहनी का नाट्य-साहित्य : सृजन एवं संदर्भ' विषय पर केंद्रित रहा जिसमें भीष्म साहनी के नाट्य-चिंतन एवं समसामयिक प्रसंगों तथा 'भीष्म साहनी के नाटकों का स्त्रीवादी पाठ' पर उपस्थित अतिथियों ने चर्चा की। समारोह में कुमाऊँ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एच. एस. धामी, हिंदी विश्वविद्यालय की अकादमिक संयोजक, डॉ. शोभा पालीवान, प्रो. देव सिंह पोखरिया, प्रो. दिवा भट्ट, प्रो. सूरज पालीवाल, डॉ. ब्रजेन्द्र त्रिपाठी, प्रो. हरि सुमन बिष्ट तथा डॉ. अवधेश शुक्ल उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. शोभा पालीवान ने किया।

श्री बी. एस. मिरगे की रिपोर्ट

रॉड्रिग्स हिंदी स्पीकिंग यूनियन द्वारा हिंदी दिवस 2016

13 अक्टूबर, 2016 को फ़्लाँबुवायाँ होटल, पोर्ट माच्यूरें, रॉड्रिग्स में रॉड्रिग्स हिंदी स्पीकिंग यूनियन, भारतीय उच्चायोग, मॉरीशस व रॉड्रिग्स आर्य समाज द्वारा हिंदी दिवस मनाया गया। मॉरीशस के उप राष्ट्रपति, महामहिम श्री परमशिवम पिल्ले वायापुरी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। महामहिम श्री वायापुरी ने हिंदी के वैश्विक महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि हिंदी विश्वभाषा है और आनेवाले दिनों में पर्यटन एवं बाज़ार की भाषा बनकर अपनी मज़बूत उपस्थिति दर्ज करेगी। रॉड्रिग्स हिंदी स्पीकिंग यूनियन के प्रधान श्री रमणीक चीतू ने रॉड्रिग्स में हिंदी के पठन-पाठन की चर्चा करते हुए बताया कि अभी लगभग 50 छात्र-छात्राएँ हिंदी सीख रहे हैं और आनेवाले दिनों में यह संख्या बढ़ेगी। उन्होंने सरकार से हिंदी को बढ़ावा देने के लिए और कदम उठाये जाने की माँग की। रॉड्रिग्स के चीफ़ कमिशनर श्री लुई सेर्ज़ क्लेअर ने हिंदी के विकास के लिए सरकार की ओर से सार्थक प्रयास का आश्वासन दिया।

अवसर पर रॉड्रिग्स हिंदी स्पीकिंग यूनियन के छात्रों द्वारा हिंदी तथा अंग्रेज़ी में संगीत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समारोह में श्री सुप्रमण्यें सुब्रायण, सुश्री रोज़ द लिमा एड्वार्ड, भारतीय उच्चायोग, मॉरीशस की द्वितीय सचिव (शिक्षा व भाषा), डॉ. नूतन पाण्डेय, विश्व हिंदी सचिवालय के महासचिव, प्रो. विनोद कुमार मिश्र, आर्य सभा मॉरीशस के प्रधान, डॉ. उदय नारायण गंगू, हिंदी प्रचारिणी सभा के सचिव, श्री धनराज शंभु, श्री बिसुन मंगू तथा अनेक हिंदी प्रेमी उपस्थित थे।

श्री रमणीक चीतू की रिपोर्ट

तृतीय अखिल भारतीय वार्षिक काव्य महोत्सव और साहित्यकार सम्मान समारोह 2016

11 दिसंबर, 2016 को पी. के. रोड रेलवे अधिकारी क्लब, नई दिल्ली में युवा उत्कर्ष साहित्यिक मंच का तृतीय अखिल भारतीय वार्षिक काव्य महोत्सव और साहित्यकार सम्मान समारोह 2016 का आयोजन संपन्न हुआ।

इस समारोह का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रमुख संपादक, 'जनसन्देश टाइम्स' (लखनऊ) श्री सुभाष राय रहे। श्री रामकिशोर उपाध्याय अध्यक्ष, युवा उत्कर्ष साहित्यिक मंच ने संस्था की विशेष गतिविधियों पर प्रकाश डाला। तत्पश्चात प्रो. विश्वम्भर शुक्ल, डॉ. अकील अहमद, श्री के. के. अग्रवाल, श्री अनूप श्रीवास्तव एवं रामकुमार चतुर्वेदी ने इस मंच द्वारा हिंदी के सर्वांगीण विकास एवं संवर्धन के लिए उत्कृष्ट योगदान के लिए युवा उत्कर्ष साहित्यिक मंच की प्रशंसा करते हुए काव्य की विविध विधाओं में लेखन की सूक्ष्मताओं से नवांकुरों का परिचय कराया।

समारोह के दौरान मंच अध्यक्ष श्री रामकिशोर उपाध्याय के व्यक्तित्व और कृतित्व पर आधारित मासिक पत्रिका 'ट्रू मीडिया' के नवंबर 2016 अंक का लोकार्पण संपन्न हुआ।

साहित्यिक परिचर्चा के बाद सुश्री डॉ. गुर्रमकोंडा नीरजा को 'भारतेंदु हरिश्चंद्र सम्मान', डॉ. रूप चन्द्र शास्त्री मयंक को 'कबीर दोहाकार सम्मान', अकेला इलाहाबादी को 'दुष्यंत ग़ज़लकार सम्मान', त्रिभुवन कौल को छन्दमुक्त के लिए 'सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला सम्मान', उपन्यास के क्षेत्र में श्री हरिसुमन बिष्ट को 'अमृतलाल नागर सम्मान', गीत के लिए डॉ. सविता सौरभ को 'भारत भूषण गीतकार सम्मान', सुश्री मंजु वशिष्ठ को 'महादेवी वर्मा सम्मान', सुश्री वंदना गोयल को उपन्यास के लिए 'गौरा पन्त शिवानी सम्मान', श्री रतन राठौर को कथा के लिए 'प्रेमचंद कथाकार सम्मान', डॉ. अहमद अली बर्क़ी आज़मी को 'ग़ालिब ग़ज़लकार सम्मान', व्यंग्य के लिए रामकुमार चतुर्वेदी को 'हरिशंकर परसाई सम्मान', युवा कवि श्री श्वेताभ पाठक को 'श्रेष्ठ युवा रचनाकार अमीर खुसरो सम्मान' के अतिरिक्त हिंदी साहित्य की विभिन्न विधाओं में उत्कृष्ट साहित्यिक अवदान के लिए डॉ. पुष्पा जोशी, डॉ. पवन विजय, सुश्री शारदा मदरा, अर्चना शर्मा, मिलन सिंह, पुष्पलता, प्रमिला पाण्डेय, रेखा जोशी, प्रिंस मंडावरा, सुशील गुप्त, राजकिशोर मिश्र राहत बरेलवी, डॉ. प्रशांत विजय, विवेक चौहान सहित अनेक साहित्य साधकों को सम्मानित किया गया।

पत्रकारिता के साथ-साथ साहित्य सेवा के लिए पत्रकार श्री बलराम, संपादक, लोकायत, श्री ओम प्रकाश प्रजापति, संपादक, 'ट्रू मीडिया', श्री संजय कुमार गिरि, मीडिया प्रभारी, यु.उ.सा.मंच, श्री रजेश्वर राय, संपादक, 'ट्रू टाइम्स', श्री राजकुमार सहारा, संपादक, 'दैनिक दिन प्रतिदिन', श्री विनोद गुप्त, संपादक, 'दिव्यमान', श्री लाल बिहारी लाल, साहित्य संपादक, 'हमारा मेट्रो', श्री महताब खान, संपादक, 'रेड हैंडेड', श्री अंजुम जाफ़री, संपादक (उर्दु), श्री अनुपम चौहान, संपादक, 'समर सलिल', श्री विजय कुमार दिवाकर, संपादक, 'विजय न्युज़' को 'साहित्य कलम सम्मान' से सम्मानित किया गया।

मंच संचालन श्री त्रिभुवन कौल, श्री सुरेशपाल वर्मा जसाला और श्री श्वेताभ पाठक ने तथा अध्यक्ष, श्री सुभाष राय ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

आभार : 'जय विजय पत्रिका' (दिसंबर, 2016)

24वें अखिल भारतीय हिंदी साहित्य सम्मेलन तथा पुस्तक लोकार्पण

15-16 अक्टूबर को गाज़ियाबाद में राष्ट्रभाषा स्वाभिमान न्यास तथा भगीरथ सेवा संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में पत्र-लेखन साहित्य पर 24वें अखिल भारतीय हिंदी साहित्य सम्मेलन का आयोजन किया गया। भारत में मॉरीशस के उच्चायुक्त, महामहिम श्री जगदीश्वर गोबरधन तथा नेशनल बुक ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री बलदेव भाई शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। महामहिम श्री जगदीश्वर गोबरधन ने भारत-मॉरीशस के सदियों पुराने संबंधों का स्मरण कराते हुए उत्तर प्रदेश व बिहार की मातृ भाषा और संस्कृति से जुड़े रहने पर ज़ोर दिया तथा श्री बलदेव भाई शर्मा ने आधुनिक तकनीक के युग में प्रचलित संसाधन के उपयोग के साथ ही पत्र लिखने की आवश्यकता पर बल दिया।

समारोह में डॉ. हरिसिंह पाल, डॉ. रामप्रबल श्रीवास्तव, रमेश कटारिया 'पारस', डॉ. सरोज गुप्ता, डॉ. नरेश कुमार, डॉ. भावना शुक्ल, राजीव पाल, डॉ. अरविन्द श्रीवास्तव, डॉ. रजेश चन्द्र पाण्डेय, अशोक बंसल 'अश्रु' और देवेन्द्र बहल आदि ने 'संवाद और संवेदनशीलता का सशक्त माध्यम : पत्र लेखन साहित्य' विषय पर आलेख प्रस्तुत किए। सत्र का संचालन संयोजक उमाशंकर मिश्र ने किया।

समारोह के समापन सत्र में 'उद्योग नगर प्रकाशन' की 7 पुस्तकों का लोकार्पण किया गया। इनमें गोधरा के प्रो. दिवाकर दिनेश गौड़ की कृति 'ग़ज़ल गुच्छ', बाल शेखर दिवाकर (दिल्ली) के कहानी-संग्रह 'अजनबी कौन हो तुम?', रामस्वरूप साहू (मुंबई) के कहानी-संग्रह 'स्वप्न के धरातल', कैप्टन ब्रह्मानंद तिवारी (मैनपुरी) के काव्य-संग्रह 'उमंग', डॉ. भावना शुक्ला (दिल्ली) के कविता-संग्रह 'जय जननी', डॉ. राजेन्द्र मिलन (आगरा) के ग़ज़ल-संग्रह 'धूप लंगड़ाने लगी' और डॉ. अरविन्द श्रीवास्तव के बालगीत-संग्रह 'दूर गगन में' का लोकार्पण मुख्य अतिथि, मॉरीशस के उच्चायुक्त, महामहिम श्री जगदीश्वर गोबरधन तथा नेशनल बुक ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री बलदेव भाई शर्मा ने किया।

समारोह में लखनऊ से डॉ. रवि पाण्डेय को 'कबीर सम्मान', नोएडा से श्री प्रदीप शर्मा दत्तात्रेय को 'निराला स्मृति सम्मान', लखनऊ से डॉ. राजेन्द्र यादव को 'कथा भूषण सम्मान', इटावा से श्री सुरेश चन्द्र दुबे को 'श्री हनुमान दत्त स्मृति सम्मान', फरीदाबाद से श्री मदन लाल गर्ग को 'श्री हरप्रसाद भार्गव स्मृति सम्मान', फरीदाबाद से श्री सुरेन्द्र सिंह रावत को 'श्री भगवती प्रसाद देवपुरा स्मृति सम्मान', उरई से डॉ. राजेश चन्द्र पाण्डेय को 'आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी सम्मान', मेरठ से डॉ. समीर कुमार मंडल को 'राष्ट्रभूषण सम्मान', मेरठ से प्रो. यश कुमार ढोका को 'समाज भूषण सम्मान', मेरठ से डॉ. यूनुस खान को 'समाज भूषण सम्मान', भरथना से श्री अनिल दीक्षित को 'कवि कुल भूषण सम्मान', दिल्ली से श्री आर.पी. शर्मा को 'राजभाषा भूषण सम्मान', आगरा से डॉ. रेखा कक्कड़ को 'कला भूषण सम्मान', आगरा से डॉ. प्रियंका नीता मसीह को 'समाज भूषण सम्मान', गाज़ियाबाद से डॉ. राजीव कुमार पाण्डेय को 'दुष्यंत कुमार स्मृति सम्मान' तथा दिल्ली से श्री लहरी राम मीणा को 'कथा भूषण सम्मान' से सम्मानित किया गया।

समारोह का संचालन 'राष्ट्रभाषा स्वाभिमान न्यास' के अध्यक्ष एवं संपादक उमाशंकर मिश्र ने किया।

श्री तरुण कुमार की रिपोर्ट

कादंबिनी क्लब की मासिक गोष्ठी व पुस्तक लोकार्पण संपन्न

20 नवंबर, 2016 को तेलंगाना सारस्वत परिषद सभागार में कादंबिनी क्लब हैदराबाद के तत्वावधान में डॉ. किशोरीलाल व्यास, पर्यावरणविद्, हिंदी विभागाध्यक्ष उस्मानिया विश्वविद्यालय की अध्यक्षता में क्लब की 292वीं मासिक गोष्ठी का आयोजन तथा श्री गन्नू कृष्णमूर्ति के 2 रचना संग्रहों के हिंदी अनुवादों का लोकार्पण संपन्न हुआ। समारोह में श्रीवास्तव, 'दिव्या' पत्रिका के कार्यकारी संपादक, लखनऊ, प्रो. वाय. वेंकटरमण राव, केंद्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व विभागाध्यक्ष एवं अनुवादक, जे. बापू. रेड्डी, आई.ए.एस., लोकार्पण कर्ता, सी.वी. सुब्रमण्यम अग्रवाल एवं डॉ. रमा द्विवेदी, पुस्तक परिचय प्रस्तोता मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

प्रथम सत्र के दौरान श्री जे. बापू रेड्डी, प्रदीप श्रीवास्तव तथा मंचासीन अतिथियों के करकमलों द्वारा 2 रचना संग्रहों का लोकार्पण संपन्न हुआ।

दूसरे सत्र में कवि गोष्ठी का आयोजन हुआ जिसमें कुंज बिहारी गुप्ता, सूरज प्रसाद सोनी, मंगला अभ्यंकर, सुनिता लुल्ला, सरिता सुराणा, पवन जैन, श्री पूनम जोधपुरी, संपत देवी मुरारका, भावना पुरोहित, सुखमोहन अग्रवाल, देवीदास अकसाल, डॉ. महनदेवी पोकरणा, पवित्रा अग्रवाल, सुरेश जैन, भंवरलाल उपाध्याय, अवधेश कुमार सिन्हा, सुषमा बैद, रेणु अग्रवाल, एल. रंजना, नमिता सौम्या दुबे, शशी राय, लक्ष्मीनारायण अग्रवाल, डॉ. रमा द्विवदी तथा मीना मूथा ने काव्य पाठ किया। मीना मूथा ने कार्यक्रम का संचालन किया तथा संयोजक श्री गन्नू ने आभार व्यक्त किया।

साभार : 'बहुवचन' ब्लॉग

उपन्यास 'माटी माटी अरकाटी' का लोकार्पण

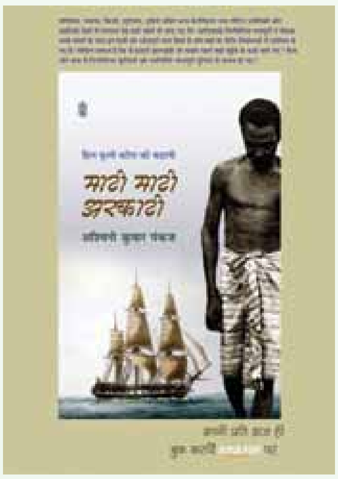

20 दिसंबर, 2016 को टेक्नो हेराल्ड सभागार, पटना में बागडोर संस्था द्वारा लेखक अश्विनी कुमार पंकज के उपन्यास 'माटी-माटी अरकाटी' का लोकार्पण संपन्न हुआ। समारोह में उपस्थित पूर्व एम.एल.सी. और लेखक प्रेमकुमार मणि ने कहा कि पुस्तक के लेखक ने आदिवासी समाज की संस्कृति की बड़ी ही बारीकी के साथ चर्चा की। कथाकार रामधारी सिंह दिवाकर ने कहा कि हिंदी साहित्य लेखन में आदिवासी समाज की अपेक्षा आरंभ से रही है। समारोह में लेखक श्रीराम तिवारी, श्री महेंद्र सुमन, श्री रवीन्द्र भारती, श्री प्रभात सरसिज तथा श्री शेखर ने भी अपने विचार रखे।

साभार : माटी माटी अरकाटी फ़ेसबुक पृष्ठ

मॉरीशस में त्रिभाषी पत्रिका 'इन्द्रधनुष' का लोकार्पण

21 नवंबर, 2016 को महात्मा गांधी संस्थान, मोका, मॉरीशस में इन्द्रधनुष सांस्कृतिक परिषद् द्वारा त्रिभाषी (हिंदी, अंग्रेज़ी, फ्रेंच) पत्रिका 'इन्द्रधनुष' का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर मॉरीशस गणराज्य के कार्यवाहक राष्ट्रपति, महामहिम श्री परमशिवम पिल्ले वायापुरी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। पत्रिका का यह अंक डॉ. मुनीश्वरलाल चिंतामणि के व्यक्तित्व और कृतित्व पर केंद्रित है। इस अवसर पर उपस्थित वक्ताओं ने डॉ. चिंतामणि के व्यक्तित्व और कृतित्व के छुए-अनछुए पहलुओं पर प्रकाश डाला और मॉरीशस के हिंदी साहित्य को विकसित और समृद्ध करने में उनके योगदान को रेखांकित किया। समारोह में मॉरीशस के पूर्व उपराष्ट्रपति, श्री रउफ बंधन, महात्मा गांधी संस्थान की महानिदेशिका, श्रीमती सूर्या गयान, विश्व हिंदी सचिवालय के महासचिव, प्रो. विनोद कुमार मिश्र, पत्रिका के प्रमुख संपादक, श्री प्रह्लाद रामशरण और संपादन मंडल के अन्य सदस्य, विभिन्न हिंदी साहित्यकार, हिंदी सेवी, संस्थाओं के प्रतिनिधि और हिंदी प्रेमी उपस्थित थे।

साभार : डॉ. नूतन पाण्डेय

'सुनहरा बचपन : अधखिला फूल और माली' पुस्तक का विमोचन

27 नवंबर, 2016 को आदर्श विद्या मंदिर, भीनमाल में नवोदित लेखक गुमानमल चौहान कृत 'सुनहरा बचपन : अधखिला फूल और माली' पुस्तक का विमोचन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित पूर्व मंत्री और साहित्यकार, श्री जोगेश्वर गर्ग और साहित्यकार व प्रवक्ता, डॉ. अरुण कुमार दवे की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। समारोह में जोधपुर हाई कोर्ट के मुख्य लेखाधिकारी, श्री दशरथ सोलंकी, व्याख्याता, श्री बंशीलाल पंवार, आदर्श माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य, श्री नरेन्द्र आचार्य, उद्घोषक, श्री मीठालाल जांगीड़ व बी.ई.ओ., श्री मोहनलाल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। समारोह के अध्यक्ष एवं मूर्धन्य साहित्यकार डॉ. अरुण कुमार दवे, प्राचार्य नरेन्द्र आचार्य, प्रवक्ता बंशीलाल पंवार तथा उद्घोषक मीठालाल जांगीड़ ने इस पुस्तक के कथ्य व शिल्प पर अपने विचार व्यक्त किए।

इस अवसर पर डॉ. शैतानसिंह चौहान, डॉ. घनश्याम व्यास, ए.बी.ई.ई.ओ. गजेन्द्र देवासी, पुखराज सोनी, रतीराम गुप्त, देवीसिंह चुण्डावत, रमाकांत दास, कपूराराम दर्जी, बगदाराम चौहान, रतनाराम चौहान, किशन जीनगर, गणपत लाल, गिरधारीसिंह राजपुरोहित, श्रवण चौहान, मोहनलाल देवासी, छात्रसंघ अध्यक्ष चिंकु सिंह, छात्रनेता चैनाराम पटेल, उत्तम दर्जी, मेघराज चौहान, लीलाराम देवासी, प्रकाश सैन, मोहनलाल गोयल, भरत वैष्णव, कैलाश सिंह राजपुरोहित, मनोहर सिंह राजपुरोहित व नारायण चौहान सहित शहर के गण्यमान्य लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन युवा साहित्यकार, प्रवीण कुमार दर्जी ने किया।

साभार : अर्थन्यूज़.इन

श्री चारूचंद्र संदोला के कविता-संग्रह 'उगने दो दूब' व 'कुट्यारि' का लोकार्पण

13 नवंबर, 2016 को प्रेस क्लब, देहरादून में श्री चारूचंद्र संदोला के कविता-संग्रह 'उगने दो दूब' व 'कुट्यारि' का लोकार्पण किया गया। लोकार्पण मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित ए. डी. जी. श्री अनिल रतूड़ी, प्रमुख सचिव राधा रतूड़ी, पद्मश्री लीलाधर जगूड़ी, लोक गायक नरेंद्र सिंह नेगी, संस्कृति विभाग की निदेशिका बीना भट्ट व सुमित्रा धूलिया ने किया। अवसर पर अतिथियों ने क्षेत्रीय व हिंदी के कवि श्री चारूचंद्र संदोला की रचनाओं पर अपने-अपने विचार व्यक्त किए।

साभार : जागरण.कॉम

डॉ. रोज केरकेट्टा का कहानी-संग्रह 'बिरुवार गमछा तथा अन्य कहानियाँ' का लोकार्पण

4 दिसंबर, 2016 को सूचना भवन सभागार, राँची में हिंदी की प्रख्यात कथा लेखिका डॉ. रोज केरकेट्टा के कहानी-संग्रह 'बिरुवार गमछा तथा अन्य कहानियाँ' का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर उपन्यासकार फ़ादर पिटर पॉल एक्का, कवयित्री-आलोचक, डॉ. सावित्रि बड़ाइक तथा कथाकार-फ़िल्मकार श्री शिशिर टुडू ने डॉ. रोज केरकेट्टा की लेखन-शक्ति पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में श्री मेघनाथ टोप्पो, डॉ. नारायण भगत, श्रावणी, श्री अश्विनी कुमार पंकज, डॉ. माया प्रसाद, ज्योति, जोआकिम तोपनो, मेरी सोरेंग, प्रवीर पीटर, डॉ. सुनीता, वेदना टेटे व अन्य गण्यमान्य अतिथि उपस्थित थे।

साभार : इ-पेपर प्रभात खबर.कॉम

"भाषा की अपनी एक ताकत होती है। भाषा भाव की अभिव्यक्ति का एक माध्यम होता है। और जब व्यक्ति अपनी भाषा में कोई बात करता है, तब वो दिमाग से नहीं निकलती है, दिल से निकलती है। ..."

महामहिम श्री नरेन्द्र मोदी, भारत गणराज्य के प्रधान मंत्री
(12 मार्च, 2015 को विश्व हिंदी सचिवालय मुख्यालय निर्माण के आधिकारिक शुभारंभ के अवसर पर प्रधान मंत्री जी के वक्तव्य से उद्धृत)

'काव्यांकुर–4' पुस्तक लोकार्पण एवं काव्य संध्या

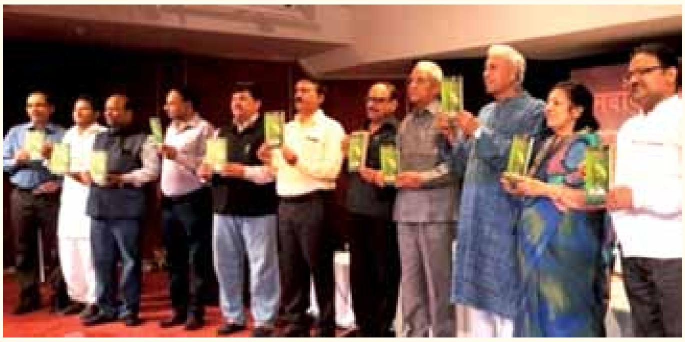

2 नवंबर, 2016 को इंडिया हैबिटैट सेंटर के अमलतास सभागार, नई दिल्ली में नवांकुर साहित्य सभा द्वारा 16 नवांकुर कवियों द्वारा रचित कविता-संग्रह 'काव्यांकुर-4' का विमोचन एवं काव्य संध्या का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हिंदी के प्रख्यात साहित्यकार एवं ग़ज़लकार, श्री बालस्वरूप राही रहे एवं विशिष्ट अतिथियों में साहित्यकार एवं कवि, डॉ. बी. एल. गौड़ और हास्य-व्यंग्य की प्रसिद्ध कवयित्री, डॉ. सरोजनी प्रीतम रहीं। 'काव्यांकुर - 4' में उन 16 नवांकुर कवियों के नाम इस प्रकार हैं - सुशीला शिवराण, संध्या प्रह्लाद, रणजीत तनहा, कल्पना पांडेय, ओम प्रकाश शुक्ल, मनस्विनी मुकुल, पूजा तिवारी, ओमवीर करन, आकाश अग्रवाल, अजय अज्ञात, रेनु सिरोया, रिंकज यादव, अमित अम्बष्ट, डॉ. प्रशांत देव, मनीष कुमार और संजय कुमार गिरी। कार्यक्रम के दौरान नवांकुर साहित्य सभा के मुख्य संरक्षक तथा मंचीय कवि, श्री रसिक गुप्त ने काव्य पाठ किया।

इस अवसर पर गीतकार एवं फ़िल्मकार, सर्वश्री प्रदीप जैन, कवि एवं साहित्यकार, नरेश मलिक, कवि एवं साहित्यकार, हर्षवर्धन आर्या, कवि, समोद सिंह चिचोरा एवं कवि तथा समाज सेवक दुर्गा, प्रसाद वर्मा 'अकेला' उपस्थित थे। समारोह का संचालन श्री नरेंद्र सिंह निहार ने किया तथा आभार ज्ञापन संस्था के कोषाध्यक्ष, मो. इमरान अंसारी ने किया।

साभार : सच का हौसला.कॉम

'मेरे सपनों का देश, मॉरीशस' पुस्तक का विमोचन

4 नवंबर, 2016 को महावीर टोला स्थित सत्यनारायण भवन, आरा, भोजपुर, बिहार में लेखिका श्रीमती अनुराधा मुखर्जी कृत 'मेरे सपनों का देश, मॉरीशस' पुस्तक का विमोचन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. के. बी. सहाय, डॉ. नीरज सिंह, विजय कुमार सिंह, जिवेश कुमार तथा डॉ. अभय रहे तथा अध्यक्षता डॉ. के. बी सहाय ने की। समारोह के दौरान अतिथियों ने लेखिका के जीवन, उनके संघर्ष एवं उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। धन्यवाद ज्ञापन श्रीमती संयुक्ता नौबतसिंह ने किया।

श्री बलवंतसिंह नौबतसिंह की रिपोर्ट

युवा लेखिका अवंतिका चन्द्रा कृत 'हमनवा' उपन्यास का लोकार्पण

26 नवंबर, 2016 को फैज़ाबाद, लखनऊ में सुश्री अवंतिका चन्द्रा के 'हमनवा' नामक उपन्यास का विमोचन फैज़ाबाद के डी. एम. विवेक के हाथों संपन्न हुआ। उन्होंने इस अवसर पर लेखिका अवंतिका चन्द्रा के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा, ''आज की युवा पीढ़ी द्वारा हिंदी भाषा क्षेत्र में किए जा रहे अमूल्य योगदान से मैं खुश हूँ और यह उपन्यास मील का पत्थर साबित होगा।'' इस अवसर पर ज़िलाधिकारी प्रशासन, डॉ. चतुर्भुज गुप्त, प्रशासनिक अधिकारी, संतवन शैठ्ठी, प्राथमिक शिक्षक संघ के मंत्री, समीर सिंह, श्रीमती कीर्तना त्रिपाठी, श्रीमती सुमन चन्द्रा तथा अन्य प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

साभार : हिंदीमीडिया.इन

स्नेह मिलन एवं सम्मान समारोह

18 अक्टूबर, 2016 को आंध्र प्रदेश हिंदी अकादमी के सभाकक्ष में रूसी-भारतीय मैत्री संघ 'दिशा' (मास्को), साहित्यिक-सांस्कृतिक शोध संस्था (मुंबई) तथा 'साहित्य मंथन' (हैदराबाद) के संयुक्त तत्वावधान में स्नेह मिलन एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि मास्को के डॉ. रामेश्वर सिंह रहे तथा अध्यक्षता तेलुगू साहित्यकार प्रो एन. गोपी ने की। डॉ. रामेश्वर सिंह ने कहा कि कोई भी भाषा अपने बोलनेवालों के दम पर विकसित होती है और विश्व भर में हिंदी अपने प्रयोक्ताओं की बड़ी संख्या तथा अपनी सर्व-समावेशी प्रकृति के कारण निरंतर विकसित हो रही है, अत: आनेवाले समय में सांस्कृतिक से लेकर कूटनीतिक संबंधों तक के लिए हिंदी को बड़ी भूमिका अदा करनी है। कार्यक्रम में मास्को के डॉ. रामेश्वर सिंह को 'साहित्य मंथन संस्कृति-सेतु सम्मान: 2016', डॉ. बाबू जोसेफ (कोट्टायम), डॉ. एम. वेंकटेश्वर (हैदराबाद), डॉ. अनिल सिंह (मुंबई), डॉ. गुर्रमकोंडा नीरजा (हैदराबाद), डॉ. वंदना पी. पावसकर (मुंबई), डॉ. सुरेंद्र नारायण यादव (कटिहार) और डॉ. कांतिलाल चोटलिया (गुजरात) को 'हिंदी भास्कर अंतरराष्ट्रीय सम्मान' से अलंकृत किया गया।

डॉ. ऋषभदेव शर्मा की रिपोर्ट

कनाडा में हिंदी साहित्य सेवा सम्मान समारोह

20 नवंबर, 2016 को गोर-मीडोज़ कम्युनिटी सेंटर, ब्रैंपटन, कनाडा में विश्व हिंदी संस्थान, कनाडा के सौजन्य तथा संस्कृत योग सभा कनाडा के सहयोग से एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह के दौरान प्रो. सरन घई को 'हिंदी साहित्य प्रचेता अलंकरण', पेरिस, फ्रांस से शिक्षाविद् प्रो. सरस्वती जोशी को 'विश्व हिंदी साहित्यरथी सम्मान', श्री संजीव मलिक 'विश्व हिंदी समाजप्रणेता सम्मान' तथा अध्यक्ष, राजस्थान एसोसिएशन ऑव नॉर्थ अमेरिका से श्री महेन्द्र भंडारी को 'विश्व हिंदी समाजप्रणेता सम्मान' से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ताओं में सांसद हरिंदर मल्ही, समाज सेवी प्रो. आज़ाद कौशिक, समाज सेवी नवल बजाज, यूनिवर्सिटी ऑव टोरंटो की प्रो. साधना जोशी, योग गुरु आचार्य संदीप त्यागी, प्रो. सरन घई, समाज सेवी संजीव मलिक, अध्यक्ष यूपिका, समाज सेवी महेन्द्र भंडारी, अध्यक्ष, राना, समाज सेवी व कवि देवेन्द्र मिश्र, उपन्यासकार व कवयित्री, राज भारती, कवयित्री समाजसेवी संजीव अग्रवाल, सरोजनी जोहर, कवि, राज माहेश्वरी, कवि हर भगवान शर्मा, कवयित्री सविता अग्रवाल, समाज सेवी सुभाष शर्मा, समाज सेवी दिलीप शर्मा, कवि सुरेन्द्र पाठक व गायक कुलदीप सिंह ने अपने विचार व्यक्त किए। साथ-साथ 'ट्रू मीडिया' पत्रिका तथा कवयित्री श्रीमती राज भारती के उपन्यास 'धुंधला साया' का लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. देवेन्द्र मिश्र तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रो. सरन घई ने किया।

साभार : विश्व हिंदी संस्थान

चेन्नई में गोइन्का पुरस्कार एवं सम्मान समारोह

17 दिसंबर, 2016 को अग्रवाल विद्यालय सभागृह, चेन्नई में कमला गोइन्का फ़ाउण्डेशन द्वारा पुरस्कार एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह के दौरान कमला गोइन्का फ़ाउण्डेशन द्वारा स्थापित दक्षिण भारत के हिंदी साहित्यकारों के लिए श्रीमती पवित्रा अग्रवाल (हैदराबाद) को उनकी श्रेष्ठतम कृति 'उजाले दूर नहीं' हेतु 'बाबूलाल गोइन्का हिंदी साहित्य पुरस्कार', सर्वश्रेष्ठ अनूदित साहित्य के लिए डॉ. वी. पद्मावती को उनकी अनुसृजित कृति 'कोहरे में कैद रंग' के तमिल अनुवाद हेतु 'बालकृष्ण गोइन्का अनूदित साहित्य पुरस्कार' तथा हिंदी सेवी, साहित्यकार व पत्रकार श्री रमेश गुप्त 'नीरद' को 'बालकृष्ण गोइन्का हिंदी साहित्य सम्मान' से विभूषित किया गया। इस अवसर पर चेन्नई के तमिलनाडु हिंदी साहित्य अकादमी की अध्यक्षा, डॉ. एम. शेषन सहित अनेक हिंदी साहित्य रसिक उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन श्री ईश्वर करुण ने तथा आभार ज्ञापन श्री शिवकुमार गोइन्का ने किया।

साभार : कमला गोइन्का फ़ाउण्डेशन

नासिक में राष्ट्रीय हिंदी साहित्य सम्मान एवं हास्य कवि सम्मेलन

16 अक्टूबर, 2016 कूर्तकोटि सभागृह, शंकराचार्य संकुल, नासिक में राष्ट्रीय हिंदी साहित्य सम्मान एवं हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। समारोह में श्री विपुल सेन मुख्य अतिथि तथा श्री प्रदीप शेणे विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

प्रथम सत्र के दौरान फिरोज़ाबाद से श्री रामसनेही लाल शर्मा यायावर को 'साहित्य साधना सम्मान', कोटा से श्री गोपाल कृष्ण भट्ट 'आकुल' को 'विद्योतमा साहित्य सम्मान', मुंबई से श्री रमेश यादव को 'साहित्य सृजन सम्मान', हैदराबाद से श्री विजय कुमार सपत्ती को 'साहित्य आराधना सम्मान', नासिक से श्री नासिर शकेब को 'अहिसास गौरव सम्मान' से सम्मानित किया। साथ-साथ श्री गोपाल कृष्ण भट्ट 'आकुल' के सद्य : प्रकाशित नवसंग्रह 'जन से मन जू नाच चली' तथा विद्या भारती हिंदी स्मारिका 'सार्थक नव्या' का लोकार्पण उपस्थित अतिथियों के हाथों संपन्न हुआ।

द्वितीय सत्र में श्री रमेश शर्मा, श्री दिनेश याज्ञिक तथा श्री रवींद्र रवि ने हास्य कवि सम्मेलन में भाग लिया।

साभार : सानिध्य सेतु ब्लॉग

डॉ. गुर्रमकोंडा नीरजा को 'विद्या सागर' उपाधि

13 दिसंबर, 2016 विक्रमशिला हिंदी विद्यापीठ, भागलपुर, उज्जैन में 21वाँ वार्षिक अधिवेशन आयोजित किया गया। विद्यापीठ के कुलाधिपति डॉ. सुमन भाई, अधिष्ठाता डॉ. योगेंद्रनाथ शर्मा 'अरुण', कुलसचिव डॉ. देवेंद्रनाथ शाह, कुलानुशासक डॉ. चंद्रशेखर शास्त्री और उत्तराखंड प्रभारी गोपाल नारसन ने संयुक्त रूप से अधिवेशन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा में प्राध्यापक व अनेक पुरस्कारों से सम्मानित डॉ. गुर्रमकोंडा नीरजा को उनकी सुदीर्घ हिंदी सेवा, सारस्वत साधना, कला के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि और शैक्षिक प्रदेयों के लिए विक्रमशिला हिंदी विद्यापीठ ने 'मानद डीलिट उपाधि विद्या सागर' से अलंकृत किया। उनकी इस उपलब्धि पर डॉ. कविता वाचक्नवी (अमेरिका), डॉ. रमेश्वर सिंह (रूस), डॉ. जोराम यालाम नाबाम (अरुणाचल प्रदेश), डॉ. जयकौशल (त्रिपुरा), डॉ. देवराज (वर्धा), डॉ. अहिल्या मिश्र (हैदराबाद), श्री ईश्वर करुण (चेन्नई) तथा डॉ. सुधेश (दिल्ली) आदि अनेक साहित्यकारों और विद्वानों ने उनको शुभकामनाएँ दीं।

साभार : हिंदीमीडिया.इन

नॉर्वे के श्री सुरेशचंद्र शुक्ल को 'निर्मल वर्मा पुरस्कार'

14 सितंबर, 2016 को संस्कृति विभाग, मध्य प्रदेश, भारत में नॉर्वे में हिंदी के प्रसिद्ध साहित्यकार श्री सुरेशचंद्र शुक्ल 'शरद आलोक' को विदेश में हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए 'निर्मल वर्मा पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। श्री सुरेशचंद्र शुक्ल नॉर्वेजीय भाषा के अखबार 'आकेर्स आवीस ग्रूरुदालेन' में पत्रकार तथा भारत के समाचार पत्र 'देशबंधु' और द्वैमासिक-द्विभाषी पत्रिका 'स्पाइल-'स्पाइल-दर्पण' में संपादक तथा नॉर्वे के मैत्री संगठन 'भारतीय-नॉर्वेजीय सूचना एवं सांस्कृतिक फ़ोरम' के अध्यक्ष हैं।

श्री सुरेशचंद्र शुक्ल की रिपोर्ट

टूरिज़्म प्रोग्राम के अंतर्गत हिंदी

मॉरीशस चैम्बर ऑव कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्री (एम.सी.सी.आई.) ने आन्जर्स विश्वविद्यालय (फ्रांस) के सहयोग से डिप्लोमा इन टूरिज़्म प्रोग्राम के तहत हिंदी भाषा का मोड्यूल प्रस्तावित किया है। हिंदी मोड्यूल को क्रियान्वित करने हेतु एम.सी.सी.आई. ने महात्मा गांधी संस्थान, मॉरीशस के साथ एक 'मेमोरेण्डम ऑव अंडर्स्टेंडिंग' पर हस्ताक्षर किए। इस प्रोग्राम के माध्यम से उन छात्रों को हिंदी भाषा शिक्षण प्रदान किया जाएगा जिन्हें हिंदी तथा भारतीय संस्कृति के बारे में जानकारी नहीं है। इसके चलते मॉरीशस में पर्यटन के उद्देश्य से आनेवाले भारतीय तथा अन्य हिंदी-भाषी लोगों का स्वागत तथा मार्गदर्शन अच्छी तरह से हो पाएगा। महात्मा गांधी संस्थान की अध्यक्षा, श्रीमती सूर्या गयान के अनुसार यह प्रोग्राम महात्मा गांधी संस्थान, एम.सी.सी.आई. तथा आन्जर्स विश्वविद्यालय जैसी संस्थाओं की अकादमिक मान्यताओं के आधार पर स्वीकृत है। इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि यह हिंदी को विरासती या सांस्कृतिक धरोहर की भाषा से परे एक नए परिप्रेक्ष्य में चिह्नित तथा स्वीकृत करने की पहल है जिससे छात्रों को न केवल हिंदी में धाराप्रवाह बोलने के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा बल्कि उनको भारतीय संस्कृति का भी अच्छा ज्ञान होगा।

साभार : 'लेक्स्प्रेस' (15 दिसंबर, 2016) समाचार पत्र

टॉप हिंदी ब्लॉग्स में शामिल हुए 'डाकिया डाक लाया' और 'शब्द-शिखर'

इंटरनेट पर हिंदी के व्यापक प्रचार-प्रसार और ब्लॉगिंग के माध्यम से देश-विदेश में अपनी रचनाधर्मिता को विस्तृत आयाम देनेवाले उत्तर प्रदेश के ब्लॉगर दम्पति कृष्ण कुमार यादव और आकांक्षा यादव के ब्लॉग क्रमश: 'डाकिया डाक लाया' (http://dakbabu.blogspot.in/) और 'शब्द-शिखर' (http://shabdshikhar.blogspot.in/) को टॉप हिंदी ब्लॉग्स में शामिल किया गया है। वर्ष 2008 से ब्लॉगिंग में सक्रिय दम्पति के दोनों ब्लॉगों को इंडियन टॉप ब्लॉग्स द्वारा 2015-2016 के लिए हिंदी के सर्वश्रेष्ठ 130 ब्लॉगों की डायरेक्टरी में स्थान दिया गया।

श्री कृष्ण कुमार यादव की रिपोर्ट

श्रद्धांजलि

डॉ. विवेकी राय

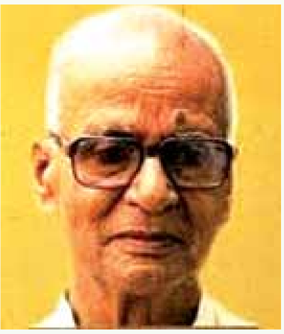

22 नवंबर, 2016 को हिंदी और भोजपुरी के प्रसिद्ध लेखक डॉ. विवेकी राय का 93 वर्ष की आयु में निधन हो गया। आप मूल रूप से गाज़ीपुर के सोनवानी गाँव के निवासी थे। आपका जन्म 19 नवंबर, 1924 को उत्तर प्रदेश के गाज़ीपुर ज़िले में हुआ था। आपकी आरंभिक शिक्षा पैतृक गांव सोनवानी के लोअर प्राइमरी स्कूल में शुरू हुई। 1970 में आपने ***'स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कथा साहित्य और ग्राम जीवन'*** विषय पर काशी विद्यापीठ, वाराणसी से पीएचडी की उपाधी प्राप्त की। आपने 13 वर्षों तक सर्वोदय इंटर कॉलेज में अध्यापन कार्य किया। 1964 में गाज़ीपुर के पी.जी. कॉलेज के हिंदी विभाग में नियुक्त हुए तथा कई वर्षों तक वहाँ विभागाध्यक्ष रहकर 1988 में सेवानिवृत्त हुए। आप आकाशवाणी तथा दूरदर्शन से भी जुड़े रहे। आपने हिंदी के साथ भोजपुरी साहित्य जगत में भी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई तथा आंचलिक उपन्यासकार के रूप में ख्याति अर्जित की।

आपको 'आनंद सम्मान', 'विद्यासागर सम्मान', 'विद्यावाचस्पति', साहित्य महोपाध्याय की 'मानद उपाधि', 'साहित्य वाचस्पति', 'साहित्य भूषण पुरस्कार', 'आचार्य शिवपूजन सहाय पुरस्कार', 'शरद चंद जोशी पुरस्कार', 'हिंदी सेवी सम्मान', 'जगदगुरु रामानंदाचार्य पुरस्कार', 'अभय आनंद पुरस्कार', 'स्वामी सहजानंद सरस्वती सेवा पुरस्कार', 'पूर्वांचन रत्न', 'महापंडित राहुल सांकृत्यायन पुरस्कार', केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा द्वारा 'महापंडित राहुल सांकृत्यायन पुरस्कार', 'महावीर प्रसाद द्विवेदी सम्मान', 'नरेंद्र मोहन आंचलिक लेखन सम्मान' तथा 'यश भारती सम्मान' से विभूषित किया गया। आपने 50 से अधिक पुस्तकों की रचना की। आपको मूलत: ललित निबंध, कथा साहित्य के लिए जाना जाता था। आपने 5 भोजपुरी ग्रंथों का संपादन भी किया है।

श्री हृदयेश मेहरोत्रा

31 अक्टूबर, 2016 को हिंदी के प्रख्यात लेखक श्री हृदयेश नारायण मेहरोत्रा का 86 वर्ष की आयु में निधन हो गया। आपका जन्म 2 जुलाई, 1930 को शाहजहाँपुर, उत्तर प्रदेश में हुआ था। आपको उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 'साहित्य भूषण' और 'पहल सम्मान' से सम्मानित किया जा चुका है। आपकी प्रमुख कृतियों में 'गाँठ', 'हत्या', 'एक कहानी अंतहीन', 'सफ़ेद घोड़ा काला सवार', 'साँड', 'पुनर्जन्म', 'दंडनायक', 'पगली घटी', 'हवेली' जैसे उपन्यास, 'छोटे शहर के लोग', 'अंधेरी गली का रास्ता', 'इतिहास', 'उत्तराधिकारी', 'अमरकथा', 'प्रतिनिधि कहानियाँ', 'नागरिक', 'रामलीला' तथा अन्य कहानियाँ, 'सम्मान', 'जीवनराग', 'सन् 1920', 'उसी जंगल समय में', 'मेरी प्रिय कहानियाँ', 'दस प्रतिनिधि कहानियाँ', 'शुरूआत', 'प्रेम संबंधों की कहानियाँ', 'शिखर' जैसे कहानी-संग्रह, 'जोखिम' जैसी आत्मकथा आदि शामिल हैं।

साभार : जागरण जोश.कॉम

श्री अनुपम मिश्र

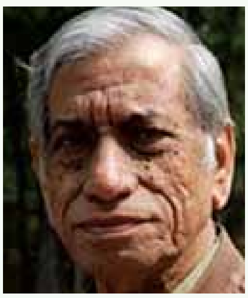

19 दिसंबर, 2016 को लेखक व गांधीवादी पर्यावरणविद श्री अनुपम मिश्र का 68 वर्ष की आयु में निधन हो गया। आपका जन्म 1948 को वर्धा, महाराष्ट्र में हुआ था। आप हिंदी के प्रसिद्ध कवि, श्री भवानी प्रसाद मिश्र के सुपुत्र हैं। आपने 1969 में कॉलेज की पढ़ाई की तथा संस्कृत में स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की। आप 2001 में दिल्ली में स्थापित सेंटर फ़ॉर एनवायरन्मेंट एंड फ़ूड सिक्योरिटी' के संस्थापक सदस्यों में से एक थे। आप दिल्ली स्थित गांधी शांति प्रतिष्ठान के अध्यक्ष, 'गांधी मार्ग' पत्रिका के संस्थापक व संपादक तथा तरुण भारत संघ के अध्यक्ष भी थे। आपको 2011 में 'जमनालाल बजाज पुरस्कार', 1996 में 'सर्वोच्च पर्यावरण पुरस्कार', 'इंदिरा गांधी पर्यावरण पुरस्कार', 'चंद्रशेखर आज़ाद राष्ट्रीय पुरस्कार' तथा 'कृष्ण बलदेव वैद पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। आपकी प्रमुख कृतियों में 'राजस्थान की बूँदें', 'आज भी खरे हैं तालाब' तथा 'साफ़ माथे का समाज' शालिम हैं।

साभार : छत्तीसगढ़ खबर.कॉम तथा विकीपीडिया

विश्व हिंदी सचिवालय तथा समस्त हिंदी जगत की ओर से स्वर्गीय महानुभावों को भावभीनी श्रद्धांजलि।

संपादकीय

विलुप्त होतीं भाषाएँ और हिंदी

धरती पर आज भी हज़ारों भाषाओं की जीवंत उपस्थिति एक ओर आशावादी स्वर का संचार करती है तो दूसरी ओर उनमें से आधे से अधिक भाषाओं की 'अकाल मृत्यु' की भविष्यवाणी चिंता का कारण। ज़ाहिर है, आरोप भूमण्डलीकरण या वैश्विकरण के सर मढ़ देने के अतिरिक्त कोई दूसरा विकल्प नहीं। हमारी सभ्यता एवं संस्कृति पर भूमण्डलीकरण के सिर्फ़ नकारात्मक प्रभावों पर ही बहस क्यों ? उसके सकारात्मक पहलू पर भी चर्चा लाज़मी है। बाज़ार और प्रतिस्पर्धा के परिणाम स्वरूप मुक्त अंकीय तकनीकी (Digital Technology) के द्वारा वैश्विक स्तर पर विलुप्त होतीं भाषाओं के संरक्षण की दिशा के प्रयास किए जा सकते हैं तथा अत्यंत अविकसित इलाकों से भी भाषा समुदायों के बीच पहुँचकर उन भाषाओं की पूँजी को अंकीय (डिजिटल) तकनीकी के ज़रिए 'ऑडियो' के रूप में सुरक्षित किया जा सकता है। यद्यपि इस प्रयास के द्वारा किसी संस्कृति एवं सभ्यता को बचाए रखने का शत प्रतिशत दावा भी नहीं किया जा सकता किंतु उन भाषा समुदायों के बीच जो कुछ भी है उसे नष्ट होने से बचाया जा सकता है तथा एक रचनात्मक चुनौती का संदेश भी प्रसारित किया जा सकता है। भाषा विलुप्ति को सोशल नेटवर्किंग के ज़रिए आपसी संवाद के नए गवाक्ष खोलकर भी बचाने की प्रेरणा दी जा सकती है। भाषा विलुप्ति के आँकड़ों की भी वैज्ञानिक पड़ताल आवश्यक है, विशेष रूप से भारत में जहाँ बहुभाषिकता और विश्लेषण की कारगर प्रक्रिया के अभाव के चलते उपलब्ध आँकड़े अविश्वसनीय लगते हैं। यूनेस्को के अनुसार भारत की विलुप्त भाषाओं व बोलियों की सूची सर्वाधिक है। यह चिंता का विषय है। भारत में हिंदी के प्रयोक्ताओं के आँकड़े भी बहुभाषिकता के चलते सटीक एवं प्रामाणिक नहीं हैं किंतु पिछले दशकों के बदले हुए परिदृश्य में हिंदी लिखने-पढ़ने एवं बोलनेवालों की संख्या में गुणात्मक वृद्धि दर्ज की गई है, जो सुखद लक्षण है। वैश्विक स्तर पर किए जा रहे आकलन भी हिंदी के पक्ष में जा रहे हैं। संख्याबल के कारण हिंदी का बाज़ार संसार में व्यापकता लिए हुए है तथा व्यावसायिकता की प्रतिस्पर्धा में हिंदी एक बहुत बड़े बाज़ार का हिस्सा बन चुकी है। हिंदी ने अपने पारंपरिक निर्मोक को उतार कर आज के अनुकूल स्वयं को सक्षम सिद्ध किया है किंतु आनेवाले दिनों में व्यावसायिक मानदण्डों पर खरी उतरने के लिए उसे अपने संरचनात्मक ढाँचे को और लचीला बनाना होगा तभी वह विश्व बाज़ार की चुनौतियों का रचनात्मक मुकाबला करते हुए लम्बी यात्रा तय कर सकेगी। बाज़ार में कम से कम भाषाओं की उपस्थिति सुखद मानी जाती है। इतना ही नहीं शब्दों की वैकल्पिक व्यवस्था भी जितनी कम होगी बाज़ार का उतना ही भला होगा। इसका एक दुष्परिणाम यह होगा कि शब्द भण्डार एवं पर्यायवाची शब्द लुप्त हो जाएँगे। हाँ, बाज़ार के अनुरूप नए शब्द जुड़ेंगे, नई व्यावसायिक शब्दावलियों का निर्माण तो होगा किन्तु बाज़ार के चलते भाषा को सामाजिक एवं सांस्कृतिक संकट से जूझना होगा।

इस प्रकार हिंदी को बाज़ार की निर्भरता के साथ कंप्यूटर की तकनीकी अनुप्रयोग से समृद्ध कर विश्व की अन्य सक्षम भाषाओं के समानान्तर लाना होगा। भाषा प्रौद्योगिकी के इस अस्त्र का सांस्कृतिक व सामाजिक भाषा रूपों को संरक्षित करने की दिशा में सार्थक उपयोग करना होगा। यद्यपि हिंदी सहित सभी भारतीय भाषाएँ कंप्यूटर अनुप्रयोग के रास्ते आनेवाली लगभग समस्त बाधाओं को पार कर ली हैं।

उच्च तकनीक से सुसंपन्न सॉफ़्टवेयर जैसे यूनीकोड, मशीनी अनुवाद, फ़ॉन्ट्स, ग्राफ़िक्स पेज, इंटरफ़ेस ओ. सी. आर., ऑफ़िस सूट, टेक्स्ट टू स्पीच, सर्च इंजन, ट्रांस्लेटेड सर्च लिप्यांतरण, वर्तनी शोधन, ब्राउज़र व ऑपेरेटिंग सिस्टम तथा सोशल नेटवर्किंग में भाषा चुनने की सहूलियत आसानी से उपलब्ध है। किन्तु दुख इस बात का है कि समस्त संसाधनों की उपलब्धता के बाद भी लोग हिंदी के प्रयोग के प्रति उदासीन हैं। ऐसी सर्वसुलभ सुबोध, सुग्राह्य तकनीकी को उपयोग में लाया जाना हिंदी के हित में है। व्यवसाय एवं बाज़ार की शक्तियों को चुनौती देने के लिए हिंदी को वह सब कुछ करना होगा जिससे विश्व स्तर की स्पर्धा में अपनी मज़बूत स्थिति की दावेदारी पेश कर सके तथा पूरी कुशलता एवं साहसिकता के साथ बाज़ारवाद से उपजी विसंगतियों को बाज़ार के हथियार से ही परास्त कर विजेता बनने का उपक्रम कर सके। सदियों से दबाव में जीने की आदी हो चुकी हिंदी सुबह के सुखद स्वप्न की तरह सच में तब्दील हो सके।

प्रो. विनोद कुमार मिश्र
महासचिव

प्रधान संपादक :
प्रो. विनोद कुमार मिश्र

सहायक संपादक :
श्रीमती श्रद्धांजलि हजगैबी

संपादकीय टीम :
सुश्री त्रिशिला सोमर, श्रीमती उषा राम, डॉ. देविना अक्षयवर, सुश्री जयश्री सिबालक, श्रीमती विजया सरजु

विश्व हिंदी सचिवालय
स्विफ़्ट लेन, फ़ॉरेस्ट साइड 74427, मॉरीशस
World Hindi Secretariat
Swift Lane, Forest Side 74427, Mauritius
फ़ोन/Phone: (230) 676 1196 * फ़ैक्स/Fax: (230) 676 1224
ईमेल/Email: info@vishwahindi.com
वेबसाइट/Website: www.vishwahindi.com

***

Printed by BAHADOOR PRINTING LTD.
Avenue St. Vincent de Paul-Pailles
Tel: (230) 2081317

अंतरराष्ट्रीय हिंदी वाचन प्रतियोगिता 2016

विश्व हिंदी सचिवालय, मॉरीशस द्वारा विश्व हिंदी दिवस 2017 के उपलक्ष्य में एक **अंतरराष्ट्रीय हिंदी वाचन प्रतियोगिता** का आयोजन किया गया। अधिक से अधिक अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागिता तथा तकनीकी दुनिया में हिंदी के अधिक प्रयोग के उद्देश्य से प्रतियोगिता के लिए प्रविष्टियाँ वीडियो रिकॉर्डिंग के माध्यम से मँगाई गईं। प्रतियोगिता को पाँच भौगोलिक क्षेत्रों के आधार पर बाँटा गया। प्रत्येक क्षेत्र के अंतर्गत दो श्रेणियाँ नियत की गईं – वर्ग अ तथा वर्ग आ। वर्ग अ का विषय 'मेरी प्रिय हिंदी' रखा गया तथा वर्ग आ का विषय 'मेरे देश में हिंदी : कल, आज और कल' रखा गया। जनवरी, 2017 को विश्व हिंदी दिवस समारोह के अवसर पर परिणामों की घोषणा की गई। प्रत्येक भौगोलिक क्षेत्र में प्रत्येक वर्ग के विजेताओं को नकद पुरस्कार तथा प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

वर्ग अ के परिणाम प्रस्तुत हैं:

वर्ग आ के परिणाम प्रस्तुत हैं: